शोध-सारांश

कबीरधाम जिले के बैगा जनजाति में शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन किया गया। जिसमें यहाँ शैक्षणिक स्थिति में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की शिक्षा का विवरण मिला। चयनित ग्राम के अंतर्गत बैगा जनजाति की कुल जनसंख्या 542 हैं। जिसमें पुरुषों की कुल संख्या 275 और महिलाओं की संख्या 267 हैं । इसमें पाँच वर्ष से नीचे के बच्चों की संख्या 25 (बालक-15,बालिका-10) है। इसमें दोनों शिक्षित महिला-पुरुष को मिला कर 59.17% हैं। 19.53% महिला-पुरुष साक्षर है। 21.27% महिला-पुरुष अशिक्षित है। जिसमें महिलाओं में शैक्षिक स्थिति पुरुषों से अच्छी है। महिलाओं की कुल शैक्षिक दर 59.11% है। जबकि पुरुष की शैक्षिक दर 59.20% है। जोकि कम है। सबसे ज्यादा बैगा महिलाओं ने प्राथमिक शिक्षा तक ही प्राप्त की है।

गाँव के प्राथमिक स्कूलों में बालकों की संख्या बालिकाओं से ज्यादा है। माध्यमिक स्तर की शिक्षा में दोनों वर्गों की समानता है। लेकिन बालकों की जो संख्या प्रतिदिन स्कूलों में दिखती है वह कम है। ज़्यादातर बालक स्कूलों से नदारद पाये गए। बालिकाओं की उपस्थिति सामान्य पायी गई। ज्यादातर बालक स्कूल से बहाना बना कर भाग जाते है और नदी तालाबों पर मछली मारते है, जंगलों में घूमते है। प्राथमिक स्कूलों की व्यवस्था ठीक न होने के कारण बहुत से बच्चों का शिक्षा के प्रति मोह भंग होने लगता है। जिस कारण उच्च शिक्षा में इनकी उपस्थिति कम है। गाँव में बांध का पानी का पीने के लिए प्रयोग करते है। जिस कारण ज़्यादातर बैगा बीमार मिले। गाँव में मलेरिया का भी बहुत प्रकोप दिखाई दिया। लेकिन शासन की व्यवस्था सुस्त दिखाई पड़ी। बीमारी के कारण भी बहुत से बैगा बच्चे नियमित स्कूल नहीं जा रहे जबकि कुछ ने बीमारी के कारण स्कूल भी छोड़ दिया।

बैगा जनजाति में शैक्षणिक स्थिति बहुत ही निम्न है। प्राथमिक स्तर की शिक्षा के बाद शैक्षिक स्थिति में गिरावट देखने को मिलती है। महिलाओं में पुरुषों के मुक़ाबले शैक्षिक स्थिति अच्छी है। हालांकि इनमें भी प्राथमिक स्तर की शिक्षा में गिरावट देखने को मिलता है। लेकिन वह कम है। बैगा बच्चे प्राथमिक स्तर की शिक्षा इसलिए प्राप्त कर पाये हैं प्राथमिक स्तर के स्कूल गाँव में ही उपलब्ध हैं। ऐसा नहीं है कि सरकारे अपनी तरफ प्रयास नहीं करती है दो दशक पहले भी सरकार ने सर्वसाक्षरता अभियान की नींव रखी थी जिसमें अशिक्षित महिलाओं और पुरूषों को पढ़ाया जाता था। इसमें बुजूर्ग भी शामिल थे। आज वह दौर नहीं है आज हमारे संचार की नई-नई तकनीक है जिसके माध्यम से हम ऐसे अभियान को और अधिक कारगार और सार्थक बना सकते है। सरकार आज डिजिटल इंडिया जैसी

मुहिम चला रही है ऐसे में उपरोक्त आंकड़ो पर गौर करें तो कई सारे सवाल खड़े होते है कि आखिर हम कैसे समाज की संरचना कर रहे है। आज सरकारे भी चाहे वह राज्य की हो अथवा केंद्र की सरकारे कभी-कभी संयुक्त प्रयास भी चलाया जाता है जिससे की शिक्षित समाज की संरचना हो सके। आज बहुत सारी खामिया है जिसको अगर दूर कर लिया जाए तो निश्चित ही हम नए समाज की संरचना कर पाएंगे।

उपरोक्त आंकड़ो पर अगर हम गौर करे तो सीधे पता चल रहा है कि जो आंकडे निकलकर सामने आए है वह निराशाजनक है। आखिर क्या वजह है कि हम बैगा जनजातियों में शिक्षा को लेकर एक क्रांति नहीं ला पा रहे है। सब कुछ हो जाएगा सरकारी सुविधाएं भी मिल जाएगी लेकिन शिक्षा को लेकर रूचि कौन पैदी करेगा। जब तक शिक्षा को लेकर रूचि पैदा नहीं होगी तब तक सभी योजनाएं केवल विज्ञापनों तक ही सिमट कर रह जाएगी। ऐसे क्षेत्रों को चिंन्हित कर रोजगारोन्मुखी योजनाओं को भी चलाऩे की आवश्यकता है जिससे की इन आदिवासी लोगों में शिक्षा को लेकर एक जागरूकता भी बढ़ेगी कि पढ़ाई-लिखाई करने से अच्छे पैसे मिलेंगे औऱ इससे जीवन सुखमय होगा।

Research-Abstract

Academic status of Baiga tribe of Kabirdham district has been studied. In which description of both types of education; formal and informal are found. Total population of the Baiga tribes in the selected village is 542. In which the total number of men and women is 275 and 267 respectively. In it the number of children below five years is 25 (boy-15, female-10). Here total percent of education is 51.1% including both male and female. 19.53% female-male are literate. 21.27% female-male are illiterate. Here academic status is better in comparison to male. Where literate rate of female is 59.20%, there only 59.20% men are literate. This is below to women. Most Baiga women only received their primary education.

The number of boys is more in comparison to girls among children in primary schools of the village. There is equality of both classes in the secondary level of education. But the numbers of boys become less in the schools day by day. Most boys were found missing from schools. The general appearance of the girls was found. Most children are able to make an excuse from school and do fishing at rivers and ponds, roam in forests. Due to not having good system of education of elementary schools, children infatuation towards education seems to be broken. This is the reason to reduce their presence in higher education. The dam is used for drinking water. That's why most of the people found sick. There is too much outbreak of the malaria. But governance arrangements appear dull. Even their children due to illness are not regular to school while some have left school due to illness.

The academic status of Baiga tribe is very low. After the primary level of education there is a constant decline in their education. Although, the condition of woman education is better man. But there too is seen the decline in primary level education. But it is low. Their

children are able to receive the education of primary level because primary school is available in the village. It does not mean that Governments do not try from their sides. Government laid the foundation of Sarvasakasharata Campaign even before two decades in which illiterate people are taught. It includes aging people too. Today is not that time, our new technology of communication through which we collect comprehensive and meaningful campaign to create more. The Government is campaigning for such digital India. Today as in the above data raises a number of questions to look at, which sort of structure of society we are creating. Today, whether it is state government or central both do united effort for the educated society structure. Today is a lot of loop holes that if taken away we can create the structure the new society.

If we look on the above data, directly address that outcome is hopeless. After all, what are the reasons we are unable to bring revolution in their education. Everything will happen and official facilities will be received but the question is who will arouse interest in education. Interest will not be born until education over all schemes will only remain as long as the ads are becoming smaller. Such areas require to highlights and make vocational education plan in accordance with requirement, so that awareness towards education among these tribal people will grow that education can make them rich and bring happiness to their lives.